>

Title: Need to complete the remaining work of Canal emerging from Satna, Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं अपने लोक सभा क्षेत्र सतना की जीवन रेखा बरगी बांध की दायीं तट नहर जिससे मेरे लोक सभा क्षेत्र सतना की 1,59,355 हेक्टेयर में यानी दो-तिहाई भूभाग में सिंचाई प्रस्तावित है, का मुद्दा उठाना चाहता हूं । अब तक 263 कि.मी. 1471 करोड़ रुपये की लागत से नहर बन गई है, लेकिन सतना जिले में प्रवेश के पहले कटनी जिले की स्लीमनाबाद के पास 11.953 कि.मी. में सुरंग बनाने का निर्णय 2008 में लिया गया था । सुरंग का कार्य अभी तक मात्र 4400 मीटर हो पाया है । सुरंग ऊपरी सतह से 71 फीट नीचे है । उसमें कहीं गैस निकलती है, कहीं पानी निकलता है, कहीं मिट्टी धंसती है । इन कारणों से सुरंग बनाने के कार्य में लगातार व्यवधान आ रहे हैं । हालांकि इसमें कहीं पहाड़ नहीं है, समतल भूमि है । सुरंग न बन पाने से पानी अभी तक नहीं पहुंचा है । बनी हुई नहरें खंडहर हो रही हैं, जो भारत सरकार की एक राष्ट्रीय क्षति है । जलशक्ति मंत्रालय को मेरा एक सुझाव है कि यह एक बहुद्देशीय परियोजना है तथा प्रधान मंत्री फास्ट ट्रैक योजना में शामिल है । मैंने कई बार इसे राष्ट्रीय परियोजना में शामिल करने का मुद्दा उठाया था लेकिन वित्त मंत्रालय ने इसे उपयोगी नहीं माना ।

18.56 hrs (Hon. Speaker *in the Chair*)

माननीय प्रधान मंत्री जी ने देश में जल संरचनाओं तथा सिंचाई नहरों के निर्माण में गहरी दिलचस्पी दिखाई है । मेरा सुझाव है कि सुरंग के शेष कार्य को ओपन कास्ट मॉडल पर बनाया जाए, जिसमें सुरंग की लागत खर्च से कम 799

करोड़ रुपये के स्थान पर 450 करोड़ रुपये में बनकर तैयार हो जाएगी । मैं जलशक्ति मंत्री जी से अपील करूंगा कि इस कार्य को पूरा कराने के लिए मध्य प्रदेश सरकार से बात करके इस मामले को अंतिम रूप दिलाएं ताकि वहां पर सिंचाई की सुविधा दी जा सके । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री गणेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

मैं आप सबको धन्यवाद देता हूं कि आप इतनी बड़ी संख्या में यहां पर बैठे हैं । मेरा आपसे आग्रह है कि जो माननीय सदस्य देर तक बैठते हैं, उनको समय पर मौका भी मिलता है । इसलिए, मेरा आग्रह है कि जो माननीय सदस्य बोल लें, वे घर न जाएं । यह संविधान की नियम प्रक्रिया में भी लिखा है । माननीय सदस्य, जो अलग-अलग राज्यों के विषय रख रहे हैं, उनसे सबको बड़ी विस्तृत जानकारी मिलती है । इसलिए मेरा आग्रह है कि अधिकतम माननीय सदस्य रहें, जिससे इस सभा के अंदर उपस्थिति पूरी रहे । मैंने सदन में देखा कि आज बहुत अच्छी उपस्थिति है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं ।

श्रीमती क्वीन ओझा । माननीय सदस्य पहली बार सांसद बनी हैं । माननीय सदस्य को इसी सत्र में कम-से-कम पांच बार बोलने का मौका मिल गया है ।